# INDEX

## Semester – III


| Sr. No. | Subject | Page No. |
|---|---|---|
| 1. | **BA (Hons.) Hindi – DSC**<br>1. भारतीय साहित्य (DSC7)<br>2. हिंदी नाटक एवं एकांकी (DSC8)<br>3. सामान्य भाषा विज्ञान (DSC9) | 3-8 |
| 2. | **Pool of DSE**<br>1. हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा (DSE1)<br>2. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्य-धारा (DSE2)<br>3. रचनात्मक लेखन (DSE3) | **9-14** |
| 3. | **Pool of Generic Elective (GE)**<br>1. पत्रकारिता और अनुवाद<br>2. मीडिया लेखन | **15-18** |
| 4. | **BA (Prog.) with Hindi as Major**<br>1. हिंदी कथा साहित्य<br>2. जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष) | 19-22 |
| 5. | **BA (Prog.) with Hindi as non-Major**<br>1. हिंदी कथा साहित्य | 23-24 |
| 6. | **Pool of Generic Elective – Languages**<br>1. हिंदी गद्य: उद्भव और विकास 'क'<br>2. हिंदी गद्य: उद्भव और विकास 'ख'<br>3. हिंदी गद्य: उद्भव और विकास 'ग' | 25-30 |


**Contd./**

# सेमेस्टर – 4


| Sl.No. | Subject | Page no. |
|---|---|---|
| 1. | **BA (Hons.) Hindi –DSC**<br><br>1. भारतीय काव्यशास्त्र<br>2. आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)<br>3. हिन्दी उपन्यास | 31-36 |
| 2. | **Pool of DSE-2**<br><br>(क) हिन्दी लोकनाट्य<br>(ख) पर्यावरण और हिन्दी साहित्य<br>(ग) जनसंचार माध्यम और तकनीक | 37-42 |
| 3. | **Pool of Generic Elective**<br><br>1. ब्लॉग लेखन<br>2. हिन्दी भाषा और विज्ञापन | 43-46 |
| 4. | **BA (Prog.) with Hindi as Major**<br><br>1. अन्य गद्य विधाएँ<br>2. (क) किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेन्दु<br>(ख) किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : जयशंकर प्रसाद | 47-52 |
| 5. | **BA (Prog.) with Hindi as Non-Major**<br><br>1. अन्य गद्य विधाएँ | 53-54 |
| 6. | **Pool of Generic Elective – Languages**<br><br>**The Generic Elective – Languages pool offered in Semester – III is available for Semester - IV** | |

# SEMESTER-III
# बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

## सेमेस्टर – 3
## भारतीय साहित्य
## Core Course – (DSC) Credits: 4

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| भारतीय साहित्य | कोर कोर्स (DSC7) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी
- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- बाल्मीकि – 'सप्तपर्ण' : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – 'उत्तरमेघ' : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित 'नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ' पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
  मुझ पर वे चाहे हँसे.....
  गुरु ने मुझसे कहा.....
  हम ही थे.....
  पिया को खोजने.....
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

## सहायक ग्रंथों की सूची:


- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- भाषा, साहित्य और संस्कृति – (सं.) विमलेशकांति वर्मा, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी
- संत काव्य (संग्रह) – परशुराम चतुर्वेदी, किताबमहल, इलाहबाद, (प्र. सं. 1952)

**सेमेस्टर – 3**

**हिंदी नाटक एवं एकांकी**

**Core Course – (DSC) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी नाटक एवं एकांकी | कोर कोर्स (DSC8) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- भारत-दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
  तौलिए: उपेन्द्रनाथ अश्क

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्रयोत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

**सेमेस्टर – 3**

**सामान्य भाषा विज्ञान**

**Core Course – (DSC) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| सामान्य भाषा विज्ञान | कोर कोर्स (DSC9) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विषेशताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

**इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान** **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विषेशताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

**इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान** **(12 घंटे)**

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

**इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान** **(12 घंटे)**

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार

- वाक्य के निकटस्थ अवयव

**इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान** **(09 घंटे)**

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

**सेमेस्टर – 3**

**हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा**

**Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा | डीएसई (DSE1) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

**इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप (12 घंटे)**

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

**इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित (12 घंटे)**

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- **संस्कार गीत:**
  - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
  - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
  - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
  - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय

- **श्रम संबंधी गीत:**
  - कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
  - जँतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

**इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ (12 घंटे)**

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग

(ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

(ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

**इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ (09 घंटे)**

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेंद्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

## सेमेस्टर – 3
## राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा
## Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा | डीएसई (DSE2) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय

- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- बापू – रामधारी सिंह 'दिनकर'

## सहायक ग्रंथों की सूची:


- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

**सेमेस्टर – 3**

**रचनात्मक लेखन**

**Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| रचनात्मक लेखन | डीएसई (DSE3) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

**इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत** **(12 घंटे)**

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

**इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा** **(09 घंटे)**

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

**इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन** **(12 घंटे)**

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

**इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन** **(12 घंटे)**

- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)

- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

## सेमेस्टर – 3
## पत्रकारिता और अनुवाद
## Generic Elective (GE) Credits: 4

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| पत्रकारिता और अनुवाद | जीई (GE) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- पत्रकारिता और भाषा के मूल तत्व से अवगत कराना
- अनुवाद तकनीक से अवगत कराना
- मीडिया में अनुवाद की आवश्यकता को समझाना
- पत्रकारिता की विभिन्न विधाओं में अनुवाद का अभ्यास कराना तथा अनुवाद के व्यावहारिक व व्यावसायिक पक्ष से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी भाषा और पत्रकारिता के अंतरसंबंधों से परिचित होंगे
- मीडिया के क्षेत्र में अनुवादक के रूप में रोजगार की संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे
- पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका और दायित्वों से परिचित होंगे
- विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल विकसित होगा

**इकाई 1 : पत्रकारिता की भाषा और अनुवाद** **(12 घंटे)**

- भाषा : परिभाषा और महत्व
- अनुवाद : परिभाषा, महत्व, प्रक्रिया
- मीडिया अनुवाद का स्वरूप और महत्व

**इकाई 2 : प्रिन्ट माध्यम और अनुवाद** **(12 घंटे)**

- पत्र-पत्रिकाओं में समाचार, लेख और संपादकीय की भाषा का स्वरूप
- समाचार शीर्षकों व समाचारों का अनुवाद
- फीचर, संपादकीय व लेख का अनुवाद
- प्रिन्ट मीडिया अनुवाद की शब्दावली

**इकाई 3 : इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और अनुवाद** **(12 घंटे)**

- रेडियो और टेलिविज़न की भाषा का स्वरूप
- रेडियो व टेलिविज़न समाचार शीर्षकों और समाचारों का अनुवाद
- फिल्म की पटकथा का अनुवाद
- डाक्यूमेंट्री का अनुवाद

**इकाई 4 : अनुवाद और तकनीक** **(09 घंटे)**

- अनुवाद के उपकरण
- डिजिटल अनुवाद के उपकरण

## सहायक ग्रंथों की सूची:


- हिंदी भाषा – भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, नई दिल्ली
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- अनुवाद की व्यापक संकल्पना – डॉ. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन
- पत्रकारिता में अनुवाद – जितेंद्र गुप्त, प्रियदर्शन, अरुण प्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन
- अनुवाद : अवधारणा और आयाम – डॉ. सुरेश सिंघल, संजय प्रकाशन

**सेमेस्टर – 3**

**मीडिया लेखन**

**Generic Elective (GE) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| **मीडिया लेखन** | **जीई (GE)** | **4** | **3** | **1** | — | — | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश (Course Objective):**

- विभिन्न जनमाध्यमों के लिए मीडिया लेखन की जानकारी देना
- मीडिया लेखन के विविध प्रारूपों एवं उनमें प्रयुक्त शब्दावली से परिचित कराना
- मीडिया के विविध रूपों में लेखन प्रक्रिया की जानकारी देना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों को जनमाध्यमों के विविध स्वरूपों के लेखन की जानकारी प्राप्त होगी
- विद्यार्थी मीडिया शब्दावली से परिचित होकर मीडिया संस्थाओं में कार्य करने में सक्षम होंगे
- व्यावसायिक क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रशिक्षित हो सकेंगे

**इकाई 1 : मीडिया लेखन : सैद्धांतिक परिचय** **(12 घंटे)**

- मीडिया लेखन के आधारभूत सिद्धांत
- मीडिया लेखन कौशल
- मीडिया लेखन के विविध क्षेत्र (प्रिन्ट, रेडियो, टेलिविज़न, फिल्म, सोशल मीडिया)

**इकाई 2 : प्रिन्ट माध्यमों के लिए लेखन** **(12 घंटे)**

- समाचार लेखन
- फीचर लेखन
- संपादकीय लेखन

**इकाई 3 : रेडियो के लिए लेखन** **(12 घंटे)**

- रेडियो-समाचार लेखन
- रेडियो फीचर लेखन
- रेडियो वार्ता लेखन

**इकाई 4 : टेलीविज़नके लिए लेखन** **(09 घंटे)**

- टेलीविज़न कार्यक्रमों के लिए पटकथा लेखन
- टेलीविज़न के लिए समाचार लेखन
- टेलीविज़न के लिए वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री) लेखन

## सहायक ग्रंथों की सूची:


- मीडिया लेखन : सिद्धांत एवं व्यवहार, चंद्र प्रकाश मिश्रा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रिन्ट मीडिया लेखन, हरीश अरोड़ा, के के पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन, हरीश अरोड़ा, के के पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन और रचना प्रक्रिया, अरुण कुमार भगत, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
- जनसंचार और मीडिया लेखन, रेवती शरण शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- मीडिया लेखन सृजन, ओम गुप्ता, कल्पाज प्रकाशन
- मीडिया लेखन कला, निशांत सिंह, ओमेगा प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**
**सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4**
**हिंदी कथा साहित्य**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी कथा साहित्य | डीएसई (DSE) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**
**सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4**
**जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष) | डीएसई (DSE) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

**इकाई – 3**

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर **(12 घंटे)**

**इकाई – 4**

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन **(09 घंटे)**

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

**BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR**
**सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4**
**हिंदी कथा साहित्य**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी कथा साहित्य | डीएसई (DSE) | 4 | 3 | 1 | — | — | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV**
**GE / Language – क्रेडिट 4**
**हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क' | जीई / भाषा (GE) | 4 | 3 | 1 | — | हिंदी विषय के साथ 12वीं पास | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

**इकाई – 2 : कहानी** **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

**इकाई – 3 : निबंध** **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

**इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ** **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा

- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV**
**GE / Language – क्रेडिट 4**
**हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख' | जीई / भाषा (GE) | 4 | 3 | 1 | — | हिंदी विषय के साथ 10वीं पास | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

**इकाई – 2 : कहानी** **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

**इकाई – 3 : निबंध** **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

**इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ** **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी

- गुंगिया – महादेवी वर्मा

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV**
**GE / Language – क्रेडिट 4**
**हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग' | जीई / भाषा (GE) | 4 | 3 | 1 | — | हिंदी विषय के साथ 08वीं पास | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

**इकाई – 2 : कहानी** **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

**इकाई – 3 : निबंध** **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

**इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ** **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**सेमेस्टर – 4**

**बी.ए.ऑनर्स (हिन्दी)**

**भारतीय काव्यशास्त्र**

**Core Course-(DSC) Credits : 3+1**

कोर कोर्स **(DSC)-10**

| **Course title & Code** | **Credits** | **Credit distribution of the course** | | | **Pre-requisite of the course (if any)** | **Content of Course and reference is in** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **Lecture** | **Tutorial** | **Practical/ Practice** | | |
| भारतीय काव्यशास्त्र | **4** | **3** | **1** | — | — | **Annexure** |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)**

1. विद्यार्थियों को भारतीय काव्य-चिंतन की परंपरा का बोध कराना
2. काव्य-चिंतन के विभिन्न संप्रदायों से अवगत कराना
3. काव्य के विभिन्न रूपों एवं छंदों की संरचना से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतन परंपरा से अवगत हो सकेंगे
2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों का उपयोग कर सकेंगे
3. पारंपरिक और आधुनिक काव्य-विवेक के नैरंतर्य की समझ समृद्ध होगी

**UNIT-1** (4 सप्ताह)

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा(आचार्य भरत मुनि से पंडितराज जगन्नाथ तक)
- प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)

**UNIT-2**(4 सप्ताह)

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

**UNIT-3 (3 सप्ताह)**

- रसः स्वरूप, अवयव और भेद
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण

**UNIT-4 (3 सप्ताह)**

- शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना)
- अलंकार: शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
  अर्थालंकार-उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
- छंद: समवर्णिक-सवैया, घनाक्षरी
  सममात्रिक -चौपाई, हरिगीतिका
  अर्द्धसममात्रिक -बरवै, सोरठा
  विषमसममात्रिक -कुंडलिया, छप्पय

**सहायक ग्रंथों की सूची**


1. रस-मीमांसा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. साहित्य-सहचर, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी
3. रससिद्धांत, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, भाग-2-डॉ. नगेन्द्र, ओरियन्टल बुक डिपो

**आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)**

**Core Course-(DSC) Credits : 3+1**

कोर कोर्स **(DSC)-11**

| **Course title & Code** | **Credits** | **Credit distribution of the course** | | | **Pre-requisite of the course (if any)** | **Content of Course and reference is in** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **Lecture** | **Tutorial** | **Practical/ Practice** | | |
| आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक) **(DSC)-11** | **4** | **3** | **1** | **—** | **—** | **Annexure** |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)**

- आधुनिक हिन्दी कविता के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
- खड़ी बोली कविता के बनने और विकसित होने की रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना।
- छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और परिचर्चाओं का परिचय देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- तदयुगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिन्दी कविता की समझ विकसित हो सकेगी।
- स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाशा के भाव-बोध की निर्मिति से परिचित होंगे।
- कविताओं के वाचन, लेखन, व्याख्या-विष्लेशण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

**UNIT-1**

- भारतेन्दु हरिश्चंद्र - नए जमाने की मुकरी (सं. 1941)
- मैथिलीशरण गुप्त -'भारत-भारती'के भविष्यत खंड (92-98) से कवि शिक्षा (106-111), भारती-भारती, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, संस्करण: 1984

**UNIT-2**

- रामनरेश त्रिपाठी- पथिक: प्रथम सर्ग से - 'प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर .... परम सुंदर, अतिषय सुंदर है' तक पथिक - रामनरेश त्रिपाठी (हिन्दी मंदिर प्रकाशन प्रयाग)
- जयशंकर प्रसाद - पेशोला की प्रतिध्वनि, अब जागो जीवन के प्रभात प्रसाद ग्रंथावली: खंड -1: सम्पादक - रत्नशंकर प्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**UNIT-3**

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -स्नेह निर्झर, भिक्षुक
  निराला रचनावली: खंड-1: संपादक - नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- सुमित्रानंदन पंत -द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, भारत माता ग्रामवासिनी
  सुमित्रानंदन पंत रचना संचयनः संपादक - कुमार विमल (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

**UNIT-4**

- महादेवी वर्मा - पूछता क्यों शेष कितनी रात, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
  महादेवी रचना संचयन: संपादक-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
- सुभद्रा कुमारी चौहान - वीरों का कैसा हो वसंत, ठुकरा दो या प्यार करो
  स्वतंत्रता पुकारती: संपादक: नंद किशोर नवल (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

**सहायक ग्रन्थों की सूची**


1. भारतेन्दु रचना संचयन: संपादक-गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन - डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध - जयशंकर प्रसाद, भारती भण्डार, इलाहाबाद
6. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन - सुमित्रानन्दन पंत, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
7. पल्लव - सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. छायावाद की प्रासंगिकता - रमेश चन्द्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
10. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

# हिन्दी उपन्यास

**Core Course-(DSC) Credits : 3+1**

कोर कोर्स **(DSC)-12**

| **Course title & Code** | **Credits** | **Credit distribution of the course** | | | **Pre-requisite of the course (if any)** | **Content of Course and reference is in** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **Lecture** | **Tutorial** | **Practical/ Practice** | | |
| हिन्दी उपन्यास **(DSC)-12** | **4** | **3** | **1** | — | — | **Annexure** |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)**

- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी देना।
- प्रमुख उपन्यासकारों और उनके उपन्यासों की चर्चा करना।
- कथा साहित्य के विश्लेषण के माध्यम से युगीन चेतना के विकास से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
- प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
- उपन्यास के वाचन, लेखन, व्याख्या-विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

**UNIT-1** (3 सप्ताह)

- उपन्यास: स्वरूप और संरचना
- हिन्दी उपन्यास: उद्भव और विकास

**UNIT-2** (3 सप्ताह)

- प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान

1.श्रीनिवासदास, 2. प्रेमचंद, 3. जैनेन्द्र 4. अज्ञेय 5. फणीश्वरनाथ रेणु 6. श्रीलाल शुक्ल 7. धर्मवीर भारती 8. निर्मल वर्मा 9. मन्नू भण्डारी 10. मंजुल भगत 11. चित्रा मुद्गल

**UNIT-3** (4 सप्ताह)

- प्रेमचंद- कर्मभूमि

**UNIT-4** (4 सप्ताह)

- श्रीलाल शुक्ल - रागदरबारी

**सहायक ग्रन्थों की सूची**


1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास - सं. भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद: एक विवेचन - इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली
4. कथा विवेचना और गद्य शिल्प - रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली
5. आस्था और सौंदर्य - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली
6. हिन्दी उपन्यास - सं. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

# हिन्दी लोकनाट्य

**Credits : 3+1**

**DSE-1**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE-1 **हिन्दी लोकनाट्य** | 4 | 3 | 1 | — | — | **Annexure** |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective)**

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोकपरंपरा का अवलोकन कराना।
- लोक जीवन और लोक संस्कृति की जानकारी देना।
- हिन्दी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
- विविध प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिन्दी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 (3 सप्ताह)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास।
- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

**इकाई 2 (3 सप्ताह)**

- प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय : रासलीला, रामलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, पंडवानी, बिदेसिया।

**इकाई 3 पाठपरक अध्ययन (4 सप्ताह)**

- नलदमयन्ती – सांग (लखमीचन्द)

**इकाई 4 (4 सप्ताह)**

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन

**सहायक ग्रंथ**


- हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- भारतीय लोकनाट्य, वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली
- लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी
- लोक साहित्य : पाठ और परख, विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोयडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली, सं.प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशीलनाट्य, जगदीशचंद्रमाथुर ,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद ,पटना
- हमारे लोकधर्मीनाट्य ,श्याम परमार,लोकरंग, उयदय पुर
- पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ, कपिला वात्स्यायन

## सेमेस्टर IV : DSE : क्रेडिट 4
## पर्यावरण और हिंदी साहित्य

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (If any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE पर्यावरण और हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | — | — | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

**इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास** **(4 सप्ताह)**

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

**इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति** **(4 सप्ताह)**

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

**इकाई 3 : कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण** **(4 सप्ताह)**

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) : फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

**इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना** **(3 सप्ताह)**

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

**सहायक ग्रंथ:**


1. राजस्थान की रजत बूँदें : अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. विकास और पर्यावरण : सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल : सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध : सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज : अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा : अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड : हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था : नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. गांधी हैं विकल्प : नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

**सेमेस्टर Sem IV – क्रेडिट 4**

**जनसंचार माध्यम और तकनीक**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | **Content of Course and reference is in** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSE** जनसंचार माध्यम और तकनीक | 4 | 3 | 1 | — | — | **Annexure** |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

I. विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना।
II. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
III. जनसंचार माध्यम और तकनीक से जुड़ी आचार संहिताओं का बोध कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

I. विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होंगे।
II. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
III. फेक न्यूज आदि से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

**इकाई 1 : जनसंचार : स्वरूप एवं अवधारणा (4 सप्ताह)**

- जनसंचार: अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
- जनसंचार के उद्देश्य
- जनसंचारका प्रसार एवं महत्त्व
- जनसंचार के प्रकार

**इकाई 2 : जनसंचार के माध्यम (3 सप्ताह)**

- प्रिंट ,रेडियो और टेलीविज़न
- डिजिटल माध्यम
- सोशल मीडिया--फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, व्हाट्सप्प ,इंस्टाग्राम
- सोशल नेटवर्किंग साइट्स तथा अन्य माध्यम

**इकाई 3 : जनसंचार : तकनीकी पक्ष (4 सप्ताह)**

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक
- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग
- न्यू मीडिया

**इकाई 4 : जनसंचार और लोकतंत्र (4 सप्ताह)**

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय
- साइबर कानून :सामान्य परिचय

**सहायक ग्रन्थ**


- भूमंडलीकरण और मीडिया - कुमुद शर्मा
- जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
- जनसंचार – हरीश अरोड़ा ,युवा साहित्य चेतना मण्डल ,नई दिल्ली
- जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र – जवरीमल्ल पारख
- इंटरनेट पत्रकारिता –सुरेश कुमार
- सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद - सं. संजय द्विवेदी
- वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेट- जगदीश्वर चतुर्वेदी
- सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन - स्नेह लता
- नए माध्यम, नई हिन्दी - प्रो. हरिमोहन
- सोशल मीडिया –स्वर्ण सुमन
- मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा
- संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रत्तू

**सेमेस्टर Sem IV – GEC–क्रेडिट 4**

**ब्लॉग लेखन**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | **Content of Course and reference is in** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE-Hindi **ब्लॉग लेखन** | 4 | 3 | 1 | — | — | **Annexure** |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)**

1. ब्लॉग के विकास के साथ-साथ भाषा, समाज और संस्कृति की जानकारी देना

2. ब्लॉग लेखन के विभिन्न प्रभावों का अध्ययनकरना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes )**

1. ब्लॉग लेखन और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी

2. ब्लॉग लेखन के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक समझ विकसित होगी

**Unit 1 : ब्लॉग लेखन: अवधारणा (4 सप्ताह)**

- ब्लॉग का स्वरूप
- ब्लॉग लेखन का विकास
- ब्लॉग लेखन :भाषा, समाज और संस्कृति
- ब्लॉग लेखन का प्रभाव

**Unit 2 : ब्लॉग लेखन : व्यक्ति और समाज (4 सप्ताह)**

- ब्लॉग लेखन और व्यक्ति रचनात्मकता
- ब्लॉग लेखन और सामाजिक रचनात्मकता
- ब्लॉग लेखन और जनभागीदारी
- ब्लॉग लेखन और सोशल मीडिया

**Unit 3 : ब्लॉग लेखन के प्रकार (3 सप्ताह)**

- साहित्यिक -सांस्कृतिक
- राजनीतिक -सामाजिक
- शिक्षा-मीडिया
- खेलकूद एवं अन्य

**Unit 4: ब्लॉग निर्माण (3 सप्ताह)**

- भाषा एवं संरचना
- ब्लॉग निर्माण की प्रक्रिया
- किसी विशिष्ट विषय पर ब्लॉग लेखन

**सहायक ग्रंथ**


- न्यू मीडिया और बदलता भारत ,प्रांजल धर ,कृष्ण कान्त ,भारतीय ज्ञानपीठ ,दिल्ली
- इंटरनेट जर्नलिज़म ,विजय कुलश्रेष्ठ ,साहिल प्रकाशन ,जयपुर
- सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार ,कल्याण प्रसाद वर्मा ,साहिल प्रकाशन ,जयपुर
- ऑनलाइन मीडिया ,सुरेश कुमार ,पीयर्सन प्रकाशन ,भारत
- हिन्दी ब्लॉगिंग का इतिहास ,रवींद्र प्रभात ,हिन्दी साहित्य निकेतन ,बिजनौर

## सेमेस्टर Sem IV – GE–क्रेडिट 4

## हिंदी भाषा और विज्ञापन

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **GE**<br>**हिंदी भाषा और विज्ञापन** | 4 | 3 | 1 | — | — | **Annexure** |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

I. विद्यार्थियों को विज्ञापन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना।
II. विज्ञापन भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना।
III. विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

I. विज्ञापन लेखन के मध्यम से भाषा-दक्षता विकसित होगी।
II. विज्ञापन निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
III. विज्ञापन बाज़ार में विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होंगे।
IV. कॉपी लेखन के कार्य में सक्षम हो सकेंगे।

**इकाई 1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा (3 सप्ताह)**

- विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और महत्त्व
- विज्ञापन के उद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक
- विज्ञापन के प्रमुख प्रकार
- विज्ञापन के प्रभाव

**इकाई 2 : विज्ञापन माध्यम (3 सप्ताह)**

- विज्ञापन माध्यम चयन के आधार
- प्रिंट ,रेडियो और टेलीविज़न के लिए विज्ञापन
- डिजिटल विज्ञापन तथा आउट ऑफ़ होम विज्ञापन—होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइन बोर्ड
- सोशल मीडिया विज्ञापन--फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, सोशल नेटवर्किंग साइट्स

**इकाई 3 : विज्ञापन की भाषा (4 सप्ताह)**

- विज्ञापन की भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा-शैली के विभिन्न पक्ष---सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानान्तरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर, भाव-भंगिमा (बॉडी लैंग्वेज)
- विज्ञापन स्लोगन एवं पंच लाइन

**इकाई 4 : विज्ञापन: कॉपी लेखन (4 सप्ताह)**

- विज्ञापन कॉपी के अंग
- प्रिंट माध्यम: लेआउट के विविध प्रारूप
- वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण
- रेडियो जिंगल लेखन
- टेलीविज़न विज्ञापन के लिए कॉपी लेखन

**सहायक ग्रन्थ**


- जनसंपर्क, प्रचार और विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ ,राजस्थान प्रकाशन ,जयपुर
- जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी ,नटराज प्रकाशन ,नई दिल्ली
- डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी ,अनामिका पब्लिकेशन ,नई दिल्ली
- विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा ,प्रभात प्रकाशन ,नई दिल्ली
- विज्ञापन: भाषा और संरचना - रेखा सेठी ,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
- विज्ञापन और ब्रांड – संजय सिंह बघेल ,सस्ता साहित्य मण्डल ,नई दिल्ली
- मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा ,सामयिक प्रकाशन ,नई दिल्ली

**BA (Prog) With Hindi as MAJOR**
**सेमेस्टर Sem IV – DSC-7 – क्रेडिट 4**
**अन्य गद्य विधाएँ**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-7 **अन्य गद्य विधाएँ** | 4 | 3 | 1 | — | — | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1**

लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचन्द्र शुक्ल
बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

**इकाई 2**

प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

**इकाई 3**

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

**इकाई 4**

अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

**सहायक ग्रंथ**


- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर **IV DSC-8** (क) - क्रेडिट 4

# किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: भारतेन्दु

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSC-8 (क) किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: भारतेन्दु** | 4 | 3 | 1 | — | — | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)**

- प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चात उभरे् साहित्यिक परिदृश्य की जानकारी देना।
- भारतेन्दु के साहित्य से विस्तार में परिचय देना।
- भारतेन्दु के कवि, नाटककार और गद्यकार के रूप को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- भारतेन्दु के लेखन और रचना-दृष्टि की समझ विकसित होगी।
- प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चात राष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचय होंगे।

**UNIT – 1 कविताएं**

- कहां करुणानिधि केशव सोए
- बसंत होली
- नए जमाने की मुकरी - भीतर भीतर सब रस चूसे, नई नई नित तान सुनावे, धन लेकर कुछ काम न आवै, तीन बुलाए तेरह आवैं

**UNIT – 2 नाटक**

- नीलदेवी

**UNIT – 3 निबंध**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है

- वैष्णवता और भारतवर्ष

**UNIT – 4 विविध**

- एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न
- एक कहानी - कुछ आपबीती, कुछ जगबीती

**सहायक ग्रंथ**


1. नाटकार भारतेंदु की रंग परिकल्पना: सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतेन्दु हरिश्चंद्र का रचना संसार: एक पुनर्मूल्यांकन, डॉ. वीरेन्द्र सिंह यादव
4. भारतेन्दु हरिश्चंद्र, ब्रजरत्न दास, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
5. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog) With Hindi as MAJOR**

सेमेस्टर IV DSC-8 (ख) क्रेडिट 4

**किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: जयशंकर प्रसाद**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-8 (ख) **किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: जयशंकर प्रसाद** | 4 | 3 | 1 | — | — | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)**

- छायावाद के प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद के साहित्य से विस्तार में परिचय।
- जयशंकर प्रसाद के कवि, कथाकार, नाटककार और आलोचक रूप को समझना।
- छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और प्रसाद के साहित्य के विकास-क्रम का अध्ययन।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- केन्द्रित होकर गहराई के साथ जयशंकर प्रसाद के लेखन और दृष्टि की समझ विकसित करना।
- छायावाद और राष्ट्रीय आन्दोलन के आपसी सम्बन्धों का विश्लेषण।
- कहानियों, नाटकों और उपन्यासों के आधार पर आदर्शवादी और यथार्थवादी साहित्यिक धारा का अध्ययन।

## UNIT - 1

- कविताएँ - बीती विभावरी जाग री, हिमाद्रि तुंग शृंग से, अशोक की चिंता

## UNIT – 2

- कहानियाँ - आकाशदीप, ममता, पुरस्कार, गुंडा - प्रसाद ग्रंथावली: खंड-4: संम्पादक - रत्नशंकर प्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

## UNIT – 3

- नाटक - अजातशत्रु

## UNIT - 4

- निबंध - यथार्थवाद, छायावाद (काव्य और कला तथा अन्य निबंध पुस्तक से)
  प्रसाद ग्रंथावली: खंड - 4: सम्पादक - रत्नशंकर प्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**सहायक ग्रन्थों की सूची**


1. प्रसाद रचना संचयन - (संपा.) विष्णु प्रभाकर और रमेश चन्द्र शाह (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
2. जयशंकर  प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी
3. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद
4. छायावाद: पूनर्मूल्यांकन - सुमित्रानन्दन पंत
5. छायावाद - नामवर सिंह
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
7. छायावाद की प्रासंगिकता -रमेश चन्द्र शाह
8. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन - विनोद शाही
9. छायावाद का पतन - डॉ. देवराज
10. कामायनी: एक पुनर्विचार - गजानन माधव मुक्तिबोध
11. छायावाद का पुनर्मूल्यांकन - रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. कामायनी: मूल्यांकन और मूल्यांकन - (संपा.) इंद्रनाथ मदान
13. जयशंकर प्रसाद: महानता के आयाम - करुणा शंकर उपाध्याय
14. कंथा (प्रसाद की जीवनी) - श्यामबिहारी श्यामल

**BA (Prog) With Hindi as NON-MAJOR**
**सेमेस्टर Sem IV – DSC-7 – क्रेडिट 4**
**अन्य गद्य विधाएँ**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-7 **अन्य गद्य विधाएँ** | 4 | 3 | 1 | — | — | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
- विविध गद्य रचनाओं के महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1**

लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचन्द्र शुक्ल
बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

**इकाई 2**

प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

**इकाई 3**

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

**इकाई 4**

अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

**सहायक ग्रंथ**

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली